हर डिवाइस में हो भारत निर्मित चिप : मोदी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: सेमीकान इंडिया-2024 में आए विश्वभर के चिप निर्माताओं के सामने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तकनीकी रूप से सक्षम और आकांक्षी भारत का शोकेस सजाया। सुधारवादी सरकार, देश की बढ़ती निर्माण क्षमता और महत्वाकांक्षी बाजार की उपलब्धता को 'थ्री-डायमेंशनल पावर' बताते हुए उन्होंने निवेशकों से कहा कि सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री का ऐसा बेस कहीं और मिलना मुश्किल है। प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त को लाल किले से कही गई बात दोहराते हुए कहा कि हमारा सपना है कि दुनिया की हर डिवाइस में भारत निर्मित चिप हो। उद्योग जगत को भारत के प्रति आश्वस्त करते हुए उन्होंने कहा कि आप सही समय पर, सही जगह पर हैं। वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग के संचालन में भारत बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा में आयोजित तीन दिवसीय सेमीकान इंडिया-2024 का शुभारंभ करते हुए बुधवार को मोदी ने कहा कि भारत दुनिया का आठवां देश है, जहां ग्लोबल सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री से जुड़ा यह भव्य आयोजन हो रहा है। सरकार की नीतियों और ईज आफ डूइंग बिजनेस को लेकर प्रतिबद्धता जताते हुए उन्होंने भारत की क्षमता की भी ब्रांडिंग की। कहा-हम 85 हजार तकनीशियनों, इंजीनियरों और आरएंडडी विशेषज्ञों का वर्कफोर्स तैयार कर रहे हैं। केंद्र और राज्यों सरकारों द्वारा सेमीकंडक्टर उद्योग के प्रोत्साहन के लिए उठाए जा रहे कदमों का भी इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेख किया।

- पीएम ने सेमीकान इंडिया-2024 का किया उद्घाटन
- चिप निर्माताओं ने तकनीकी रूप से सक्षम व आकांक्षी भारत का शोकेस सजाया

ग्रेटर नोएडा में सेमीकान इंडिया 2024 के शुभारंभ पर पीएम नरेन्द्र मोदी को स्मृति चिह्न भेंट करते अश्विनी वैष्णव तथा इस अवसर पर मौजूद सीएम योगी आदित्यनाथ ● प्रेट्र

ग्रीन हाइड्रोजन जैसे ऊर्जा के नए क्षेत्रों पर दें जोर : मोदी

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ऊर्जा के नए क्षेत्रों जैसे ग्रीन हाइड्रोजन पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह भविष्य का मामला नहीं है बल्कि अब इस दिशा में काम करने की जरूरत है। 'ग्रीन हाइड्रोजन इंडिया 2024' पर दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को एक वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित करते हुए, मोदी ने कहा, 'जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से बचने के लिए प्रयास करने का समय यही और अभी है।' उन्होंने कहा कि ऊर्जा परिवर्तन और स्थिरता वैश्विक नीतिगत चर्चा का केंद्र बन गए हैं। प्रधानमंत्री ने स्वच्छ और हरित धरती बनाने की दिशा में राष्ट्र की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया।